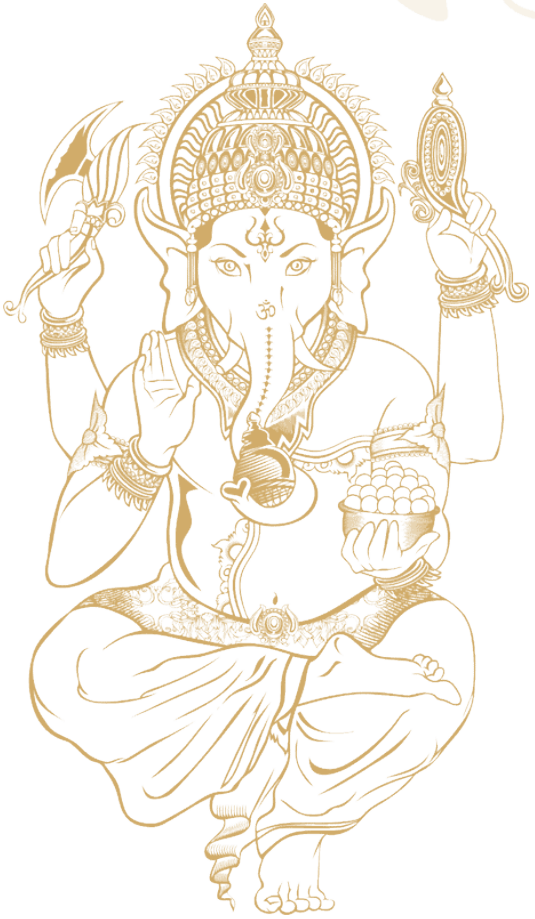

MAHAK NAGAR

31 Oct 2007

11:10 AM

Badali

Model: web-freekundliweb

Order No: 121954502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/10/2007**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:10:00 घंटे**
इष्ट	11:23:52 घटी
स्थान	**Badali**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:00:50 उत्तर
रेखांश	76:17:08 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:51 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:45:08 घंटे
वेलान्तर	00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल	13:21:45 घंटे
सूर्योदय	06:36:27 घंटे
सूर्यास्त	17:40:23 घंटे
दिनमान	11:03:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:26:46 तुला
लग्न के अंश	12:06:33 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:06:33	341:58:01	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	13:26:46	00:59:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			मिथु	22:57:30	13:47:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	16:58:17	00:11:34	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व		कन्या	29:40:24	00:19:49	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			वृश्चि	25:29:22	00:11:44	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	27:00:13	01:01:02	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			सिंह	12:27:17	00:04:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	10:55:13	00:02:42	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	10:55:13	00:02:42	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	21:02:55	00:01:10	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:16:48	00:00:01	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	03:04:26	00:01:35	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			कन्या	28:08:20	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:05

लग्न-चलित

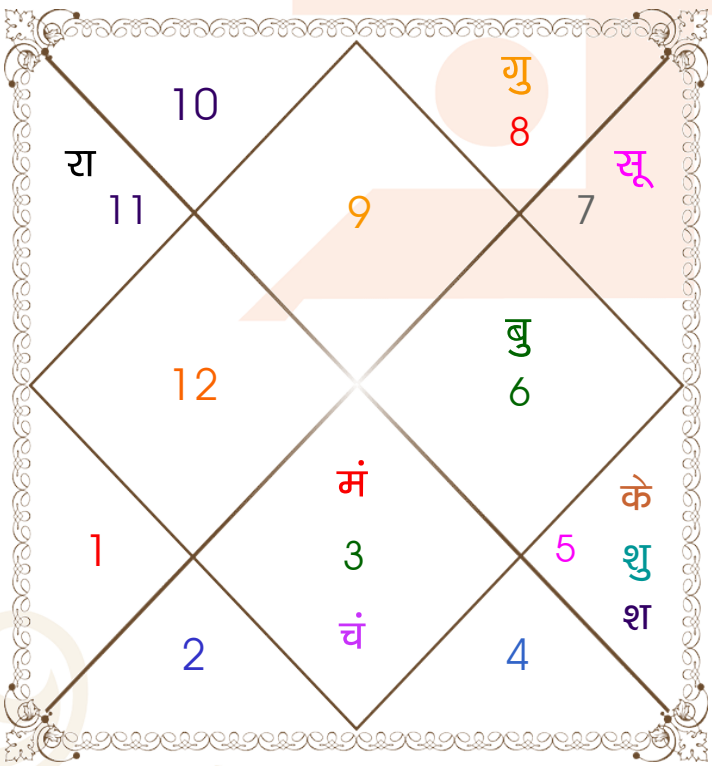

चन्द्र कुंडली

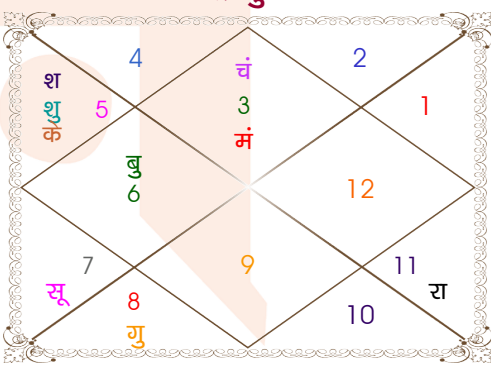

नवमांश कुंडली

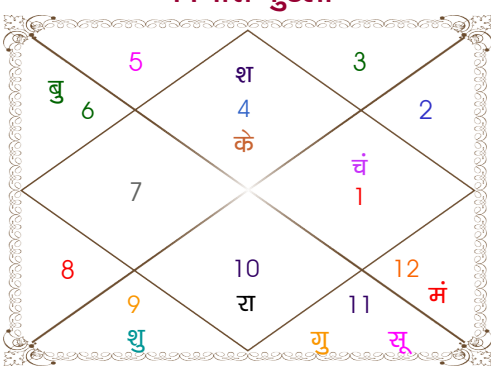

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 5 मास 12 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/10/2007		12/04/2020		13/04/2039		12/04/2056		13/04/2063	
12/04/2020		13/04/2039		12/04/2056		13/04/2063		13/04/2083	
	31/10/2007	शनि	16/04/2023	बुध	09/09/2041	केतु	08/09/2056	शुक्र	13/08/2066
शनि	12/12/2008	बुध	24/12/2025	केतु	06/09/2042	शुक्र	09/11/2057	सूर्य	13/08/2067
बुध	20/03/2011	केतु	02/02/2027	शुक्र	07/07/2045	सूर्य	16/03/2058	चंद्र	13/04/2069
केतु	24/02/2012	शुक्र	04/04/2030	सूर्य	13/05/2046	चंद्र	15/10/2058	मंगल	13/06/2070
शुक्र	25/10/2014	सूर्य	17/03/2031	चंद्र	13/10/2047	मंगल	14/03/2059	राहु	12/06/2073
सूर्य	13/08/2015	चंद्र	15/10/2032	मंगल	09/10/2048	राहु	31/03/2060	गुरु	11/02/2076
चंद्र	12/12/2016	मंगल	24/11/2033	राहु	28/04/2051	गुरु	07/03/2061	शनि	13/04/2079
मंगल	18/11/2017	राहु	30/09/2036	गुरु	03/08/2053	शनि	16/04/2062	बुध	11/02/2082
राहु	12/04/2020	गुरु	13/04/2039	शनि	12/04/2056	बुध	13/04/2063	केतु	13/04/2083

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/04/2083		13/04/2089		13/04/2099		14/04/2106		13/04/2124	
13/04/2089		13/04/2099		14/04/2106		13/04/2124		00/00/0000	
सूर्य	01/08/2083	चंद्र	11/02/2090	मंगल	09/09/2099	राहु	25/12/2108	गुरु	02/06/2126
चंद्र	30/01/2084	मंगल	12/09/2090	राहु	28/09/2100	गुरु	21/05/2111	शनि	01/11/2127
मंगल	06/06/2084	राहु	13/03/2092	गुरु	04/09/2101	शनि	27/03/2114		00/00/0000
राहु	01/05/2085	गुरु	13/07/2093	शनि	13/10/2102	बुध	13/10/2116		00/00/0000
गुरु	17/02/2086	शनि	11/02/2095	बुध	11/10/2103	केतु	31/10/2117		00/00/0000
शनि	30/01/2087	बुध	13/07/2096	केतु	08/03/2104	शुक्र	31/10/2120		00/00/0000
बुध	06/12/2087	केतु	11/02/2097	शुक्र	08/05/2105	सूर्य	25/09/2121		00/00/0000
केतु	12/04/2088	शुक्र	12/10/2098	सूर्य	13/09/2105	चंद्र	27/03/2123		00/00/0000
शुक्र	13/04/2089	सूर्य	13/04/2099	चंद्र	14/04/2106	मंगल	13/04/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 5 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।